

शुष्क अरल सागर

स्रोत: डाउन टू अर्थ

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि अरल सागर के सूखने से अरलकम रेगसिस्तान का निर्माण हुआ है, जिससे मध्य एशिया 7% अधिक धूलयुक्त हो गया है।

- **अरल सागर**, जो एक समय विश्व की चौथी सबसे बड़ी झील थी, 1960 के दशक में सोवियत मध्य एशिया में सूख गई, जिससे धूल और प्रदूषण में वृद्धि जैसे गंभीर पर्यावरणीय परिणाम सामने आए। इसके परिणामस्वरूप हवा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और समग्र मौसम पैटर्न बदल सकता है और अरल क्षेत्र में सतह पर हवा का दबाव बढ़ सकता है।
 - यह शीतकालीन साइबेरियाई तापमान को बढ़ा सकता है और ग्रीष्मकाल में मध्य एशियाई तापमान को कम कर सकता है।
 - धूल ग्लेशियरों के पघिलने की गति बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्र में जल संकट बढ़ सकता है।
- अरल सागर को मध्य एशिया की दो महान नदियों - अमु दरिया (पामीर पर्वत से) और सीर दरिया (टीएन शान पर्वत श्रृंखला) से पानी मिला था।
- इसी प्रकार अन्य उदाहरण:
 - ईरान में उर्मिया झील और ईरान-अफगानिस्तान सीमा पर हामौन झील भी सिकुड़ गई हैं और धूल के मजबूत स्थानीय स्रोत बन गई हैं।



//

और पढ़ें: [अरल सागर](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/dry-aral-sea>

